Date
24/04/2020

'पर्यावरण शिक्षा' B.Ed-III, G.P.M.I.H.S. BUXAR

Asst. Pro.- A. K. Shukla

UNIT- III

TOPIC - इको क्लब (MAKING ECOCLUBS)

तकनीकी और उद्योगों के लगातार बढ़ते उपयोग के साथ हमारे पर्यावरण में प्रदूषण की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखना इन दिनों में हमारे जीवन का एक बहुत महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इस पर ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षित रहे। इसी सन्दर्भ में पर्यावरणीय जागरूकता लाने के लिए सभी प्रकार के विद्यालयों में इको क्लब का गठन किया गया है जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के आयोजन से छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाया जा रहा है।

हमारी दृष्टि में एक प्राकृतिक, समग्र, छात्र-केंद्रित सीखने का माहौल का निर्माण करना है जो हमारे छात्रों को रचनात्मक अभिनव, हरित नेताओं और पर्यावरण अनुकूल निर्णय निर्माताओं को सशक्त बनाने और प्रेरित करने में है।

भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2001-02 से सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीय हरित कोर (National Green Corps) एक अभिनव कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति बच्चों में समझ विकसित करना है, विद्यालयी विद्यार्थियों का समाज में जागरूकता पैदा करना एवं उनका सहयोग लेना साथ ही समाज की विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं से सीधे संपर्क में बच्चों को लाना है।

उद्देश्य-

- पर्यावरण एवं पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति बच्चों में समझ विकसित करना।
- बच्चों को पर्यावरण शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना।

Scanned by CamScanner

- स्कूली छात्रों में का समाज में जागरूकता पैदा करने हेतु एक माध्यम के रूप में उनका सहयोग लेना।
- पर्यावरण तथा विकास संबंधी क्षेत्रों में निर्णय लेने हेतु ~~छात्रों~~ छात्रों सहभागिता सुनिश्चित करना।
- समाज की विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं के सीधे सम्पर्क में बच्चों को लाना तथा स्थानीय स्तर पर इनके हल भी स्वयं निकालने हेतु प्रोत्साहित करना।
- बच्चों को उनके आस-पास के पर्यावरण से सम्बंधित कार्ययोजना आधारित कार्यक्रमों में शामिल करना।

इको क्लब की गतिविधियां -

- पर्यावरणीय जागरूकता / उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- स्थल भ्रमण आधारित पर्यावरण सम्बन्धी कार्यक्रम।
- पर्यावरणीय प्रबंधन सम्बंधी कार्यक्रम।
- करो व सीखो गतिविधियां।
- पर्यामित्र गतिविधियों का प्रचार-प्रसार करना।
- पर्यावरणीय साहित्य व दस्तावेजों का संग्रह।
- पर्यावरण जन-चेतना कार्यक्रम।
- स्वप्रेरणा से अन्य गतिविधियों का आयोजन।

गठन व कार्यविधि -

- इको क्लब का संचालन विद्यालयों के माध्यम से किया जायेगा।
- विद्यालय के शिक्षकों में से पर्यावरण में रुचि रखने वाले सहभावक को इको क्लब का प्रभारी बनाया जाता है।
- प्रत्येक क्लब में पर्यावरणीय विषयों में रुचि रखने वाले 30-50 विद्यार्थी होते है।
- जिला स्तर पर योजना कार्यान्वयन पर्यवेक्षण तथा प्रभारी शिक्षकों को प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए जिला कार्यान्वयन तथा मानिटरिंग समिति बनायी गयी है।
- योजना क्रियान्वयन के निरीक्षण हेतु एक राज्य संचालन समिति का गठन किया गया है।
- राज्य स्तरीय नोडल ऐजेंसी (एक्को) राज्य में योजना कार्यान्वयन

Scanned by CamScanner

तथा नोडल ऑफिसर एवं मास्टर ~~ट्रेनिंग~~ ट्रेनर्स के प्रशिक्षण आयोजित करने संबंधी गतिविधियों के समन्वयक का दायित्व निभायेगी।

- राष्ट्रीय स्तर पर पर राष्ट्रीय संचालन समिति, राज्य में कार्यक्रम संचालन (जैसे - जल, जीवन और हरियाली) तथा प्रत्येक स्तर पर समन्वय हेतु समग्र रूप से मार्ग दर्शन करेगी।

इको क्लब में गतिविधियों में पर्यावरण, जैवविविधता जलवायु, स्थानीय पारिस्थितिकी, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति बच्चों में जागरूकता लाने वाले कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। प्रदर्शनी, पेंटिंग, लेखन, वृक्षारोपण, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य पर आधारित चल-चित्र का प्रदर्शन, अभिभावक व सेवानिवृत्त राजकीय अधिकारी, शिक्षक, ~~डॉक्टर~~ डॉक्टर, कोच पर्यावरण के लिए कार्य करने वाले व्यक्तियों की वार्ता का आयोजन किया जायेगा।

जीवन को सुरक्षित करने के लिए पर्यावरण को जीवन अनुकूलन बनाने के लिए हर स्तर पर पर्यावरण को सुरक्षित और ~~संवर्धित~~ संवर्धित करना मानव का अनिवार्य गतिविधि होनी चाहिए; तभी हम पर्यावरण को संतुलित रख सकते हैं।

Scanned by CamScanner